छत्तीसगढ़
रायपुर, 22 जुलाई 2010, गुरुवार

14 तालाबों में 19 बार गहरीकरण

जल संरक्षण में अल्ट्राटेक का योगदान

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 22 जुलाई। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट संयंत्र द्वारा निकटवर्ती क्षेत्रों में जलसंवर्धन के कार्यक्रमों को वैज्ञानिक ढंग से सम्पादित करने यूनिट हेड एस. कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया है। राष्ट्रीय स्तर की एनजीओ एफ्रो (एक्शन फार फुड प्रोडक्शन) के सहयोग से चरणबद्ध योजना बनाई गई है।

एफ्रो के अनुशंसा के आधार पर एक त्रिवर्षीय योजनांतर्गत जलग्रहण क्षेत्र में 20,000 रनिंग मीटर कटर बड़ींग कार्य को पूरा कर वर्षा को संरक्षित किया जा रहा है। वर्षा के जल के लिए बनाई गई नालियों में 154 बोरवेल वाटर रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण कर वर्षाजल से भूमिगत स्तर पर सीधे पुर्नभरण किया जा रहा है। साथ ही बड़े भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक को स्थापित किया गया।

वर्तमान तथा विगत वर्षों में निकटवर्ती गांवों के 14 तालाबों में 19 बार गहरीकरण कार्य कर तालाबों में जल संरक्षण क्षमता को बढ़ाया गया है। कुछ तालाबों में पानी के निकासी को नियंत्रित करने के लिए हेड रेगुलेटर का निर्माण किया जा रहा है। अल्ट्राटेक हिरमी सीमेंट संयंत्र अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए 6 स्टाप डैम का निर्माण तथा 13 स्टापडैम बनाने में ग्रामीण का सहयोग प्रदान किया जिससे भूमिगत जलस्तर को बढ़ावा मिला है।

संयंत्र क्षेत्रों के गांवों को जल संग्रहण के महत्व के प्रति और अधिक संवेदनशील एवं जागरूक बनाने के लिए मैगसेसे एवार्ड प्राप्त राजेन्द्र सिंह के कार्यक्षेत्र अलवर और कुरूक्षेत्र में गांव के प्रमुख व्यक्तियों के दल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। ग्रामीण स्तर पर वाटर शेड मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण, जागरूकता, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, फिल्म शो आदि का आयोजन किया गया है।

इन सभी कार्यों को करने में स्थानीय जनसमुदाय, स्व सहायता समूह पंचायतों का भरपूर सहयोग रहा। भविष्य में भी संयंत्र अपने निकटवर्ती गांवों में एफ्रो के जल संरक्षण संबंधी अध्ययन के आधार पर कार्य योजना बनाकर जल संवर्धन कार्यों को और अधिक बढ़ावा देगी।